सभी प्रकार की सरकारी सहायताओं से मुक्त, खोजी पत्रकारिता का तेज बढ़ता अखबार

दैनिक
themovementofindia.in
द मूवमेंट ऑफ़ इंडिया
RNI No. RAJHIN/2012/48876
पोस्टल पंजीयन न. भीलवाड़ा / 2025-2027

खोजी खबरें-तेज नजरें
प्रेरणा स्रोत - स्व. चुन्नीलाल सालवी
ये अखबार ही नहीं क्रांति का अभियान है। मानवता एवं लोकतंत्र का सजग प्रहरी, ये दुष्टों की मौत का सामान है।

वर्ष - 14 अंक -54 | 25 अगस्त 2025,सोमवार | संपादक - दयाराम दिव्य | सहसंपादक - चाहत सालवी | मूल्य - 2 रू.

अहमदाबाद में स्कूली स्टूडेंट की हत्या, भीलवाड़ा में विरोध प्रदर्शन:कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

गुजरात के अहमदाबाद में स्कूली स्टूडेंट नयन युवी सिन्धी की निर्मम हत्या के विरोध में सोमवार को भीलवाड़ा में प्रदर्शन किया गया। विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के लोगों ने दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग की। इसके बाद जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की गुहार लगाई।

सिन्धु संस्कार सेवा समिति के अध्यक्ष हरीश मानवानी ने बताया- गुजरात के अहमदाबाद के सेवंथ डे एडवांटीज चर्च स्कूल में मासूम बालक नयन युवी सिन्धी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। इस मामले की सही जांच होनी चाहिए, पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा- मामले में सिंधी समाज ने राजस्थान सरकार से गुहार लगाई है कि वो गुजरात सरकार के सीएम व राज्यपाल से तुरंत बातचीत करें और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर मासूम को इंसाफ दिलाने के लिए आज बड़ी संख्या में समाज के लोग जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। कलेक्टर को राजस्थान ओर गुजरात के सीएम ओर गुजरात के राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान भीलवाड़ा सकल सिंधी समाज संस्थान एवं सभी सिन्धी समाज व्यापारिक वर्ग एवं भीलवाड़ा झूलेलाल टीम द्वारा सभी ने विरोध प्रदर्शन किया।

इनकी रही मौजूदगी

इस दौरान भीलवाड़ा के दादे साहब झूलेलाल मन्दिर, सिन्धु नगर झूलेलाल मन्दिर,सिरक्की मौहल्ला झूलेलाल मन्दिर, बापूनगर झूलेलाल मन्दिर, शास्त्री नगर झूलेलाल मन्दिर, पंचवटी झूलेलाल मन्दिर, चन्द्रशेखर आजाद नगर, सिन्धी सेंटल पंचायत अध्यक्ष, फल सब्जी आढ़तिया संघ कृषि मण्डी अध्यक्ष चन्दप्रकाश चदवानी इच्छापूर्णि माता मन्दिर पिताम्बर आसनानी,भारतीय सिन्धु सभा जिला अध्यक्ष परमानन्द गुरनानी, सिन्धु संस्कार सेवा समिति हरीश मानवानी, सर्व सिन्धी समाज, उत्तर क्षेत्र सिन्धी समाज अध्यक्ष लालचंद नथरानी, सिन्धी युवा शक्ति जितेन्द्र दरयानी, भीलवाड़ा शहर झूलेलाल टीम, मुस्कान फाउंडेशन,भारत विकास परिषद, पार्षद इंदू बंसल आदि मौजूद रहे।

मंदिर के पट नहीं खुलवा पाया तो जूते-चप्पल नहीं पहनूंगा

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा के मांडल कस्बे में 48 साल से बंद एक धर्मस्थल को लेकर फिर बयानबाजी हो रही है। मांडल विधायक उदयलाल भड़ाना ने गुजरात के सूरत में गुरुवार (21 अगस्त) रात आयोजित कार्यक्रम में धार्मिक स्थल को लेकर बयान दिया। इसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया। भड़ाना सूरत में समाज के एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा- मैं अपने प्रयास 100 प्रतिशत कर रहा हूं, भगवान जब चाहेंगे, तब मंदिर खुलेगा। मैं तो केवल निमित्त मात्र हूं, करने वाले भगवान देवनारायण खुद हैं, जिस दिन उनको लगेगा की, पट खोलना चाहिए, उस दिन पट खुलेंगे।

भीलवाड़ा जिला मुख्यालय से 14 किमी दूर मांडल कस्बे में गुर्जर समाज का एक धर्मस्थल है। इस पर दावे को लेकर दो पक्षों में पुराना विवाद है। इसके कारण पुलिस का पहरा है। करीब 48 साल पहले एक समाज के लोगों ने चबूतरे पर अपने धार्मिक कार्य की अनुमति मांगी थी। उन्हें समाज ने अनुमति दी तो उन्होंने परिसर पर कब्जा कर लिया और अपना धर्म स्थल होने का दावा किया।

1977 में मामला न्यायालय पहुंचा। तब न्यायालय ने दरवाजे पर ताला जड़ने के बाद चाबी मांडल थाने में जमा करा दी, जो अभी तक थाने में जमा है।

पिछले साल 2024 में भगवान देवनारायण की 1111वीं जयंती पर धर्मस्थल से 500 मीटर दूर धार्मिक आयोजन हुआ था। इसके बाद अब सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो शेयर हुए। अपील की गई थी कि 4 फरवरी 2025 को युवा मांडल पहुंचें। युवा सोशल मीडिया के चक्कर में न आएं।

बजरी भरे 5 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों ने पूरे गांव में फैलाई दहशत:मकान की दीवार व गेट को मारी टक्कर

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा जिले के सुठेपा गांव में सोमवार को अवैध बजरी से भरी 5 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों ने पूरे गांव में दहशत फैलाई।

इस दौरान इन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों ने तेज स्पीड में बिजली के खंभे को टक्कर मारी। एक मकान की दीवार और गेट को तोड़ दिया। टक्कर से हुए धमाके की आवाज सुनकर ग्रामीण इकट्ठा हुए तो इन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को मौके पर ही छोड़कर ड्राइवर भाग छूटे। लोगों की सूचना के बाद पुलिस गांव में पहुंची और बजरी से भरे पांचों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया।

संकड़ी गलियों में फंस गए ट्रैक्टर-ट्रॉली

मामला भीलवाड़ा के बड़लियास थाना क्षेत्र के सूठेपा गांव का है। जहां सोमवार की सुबह गांव से अवैध बजरी से भरे तेज स्पीड में 5 ट्रैक्टर-ट्रॉली गलियों में फंस गए। इन्हें निकालने और स्पीड के चक्कर में ट्रैक्टर ड्राइवर ने बिजली के पोल तोड़ दिए। एक घर की दीवार को टक्कर मार दी और एक मकान के गेट तोड़ दिए। ग्रामीणों को देख भाग छूटे ड्राइवर

हादसे और धमाके की आवाज सुन बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। जिन्हें देखकर ड्राइवर ट्रैक्टर छोड़कर भाग निकले। सूचना मिलने पर बड़लियास थाना पुलिस मौके पहुंची और पांचों ट्रैक्टरों को कब्जे में लिया।

बजरी भरकर चित्तौड़ की ओर जा रहे थे

बताया जा रहा है कि ये ट्रैक्टर बड़लियास से बजरी भर के चित्तौड़ जिले के कड़ा क्षेत्र की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तेज स्पीड और जल्दबाजी में गांव की तंग गलियों में फंस गए। घटना के बाद ग्रामीणों ने लचर पुलिस व्यवस्था विरोध किया।

दिन रात गांव से निकलते-कोई रोकने वाला नहीं

ग्रामीणों का कहना है कि बेलगाम बजरी माफिया रात दिन गांव से तेज स्पीड से ट्रैक्टर-ट्रॉलियां निकालते हैं। जिनसे उन्हें जान का खतरा बना रहता है, गांव की गली-मोहल्ले में बच्चे बूढ़े सभी निकलते हैं। इन पर रोक नहीं लगी तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

भीलवाड़ा में सेल्समैन फंदे पर लटका:पंखे से लटककर सुसाइड किया

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

शाम की सब्जी मंडी में एक सेल्समैन ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया,परिजन आज सुबह जब इसे उठाने गए तो ये पंखे के सहारे लटका हुआ मिला इसे देखकर परिजनों की चीख निकल गई। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर जांच शुरू करी।

मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। कोतवाल गजेंद्र सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के शाम की सब्जी मंडी क्षेत्र में रहने वाले संतोष (40) पिता राम प्रसाद राठौड़ ने अपने ही कमरे में पंखे के सहारे गले में फंदा बना कर फांसी लगा ली। आज सुबह करीब 8 बजे परिजन जब इस व्यक्ति को उठाने कमरे में गए तो वो पंखे से लटका मिला। इसे देख परिजनों में चीख पुकार मच गई। परिजनों ने तुरंत कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव की वीडियोग्राफी ओर फोटोग्राफी करवाकर शव फंदे से उतार जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी पहुंचाया।

थाना पुलिस ने आज अस्पताल की मॉर्च्युरी पहुंचकर परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। ये व्यक्ति एक कंपनी में सेल्समैन था और तीन बच्चों का पिता था इसने किन कारणों के चलते सुसाइड किया फिलहाल इसका पता नहीं लग पाया है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच में जुटी है।

CMYK

सम्पादकीय

सुधार की दिशा में उठे कदम

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन की चर्चा अभी तक जारी है। लाल किले की प्राचीर से दिया गया उनका संबोधन ऊर्जावान, प्रेरक और आश्वस्तकारी था। व्यापक विषयों के समावेश वाले इस भाषण में भविष्य की झलक भी दिख रही थी। इस संबोधन में उस नेता की भावनाएं मुखर हो रही थीं, जिसने देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की आकांक्षाओं से ओतप्रोत किया है। राष्ट्रीय मनोबल को बढ़ाने वाले उनके संबोधन की गूंज

पूंजी बाजार तक सुनाई दी। इससे सेंसेक्स में तेजी और रुपये की स्थिति में मजबूती का रुख दिखा। आर्थिक समृद्धि और किसी राष्ट्र की सुरक्षा का संबंध भू-राजनीतिक तथा ऊर्जा सुरक्षा के साथ गहराई से जुड़ा होता है। मोदी ने अपने सारगर्भित संबोधन में बताया कि ये तीनों सुरक्षा तत्व किस तरह उनके दृष्टिकोण में भारत के भविष्य का तानाबाना बुनेंगे।

आर्थिक वृद्धि के संदर्भ में महान अर्थशास्त्री जान मेनार्ड कींस ने एनिमल स्पिरिट यानी उत्साही प्रवृत्ति की आवश्यकता रेखांकित की थी। इस उत्साही प्रवृत्ति को कारोबारी सुगमता और जीवन सुगमता से प्रोत्साहन मिलता है। इस दिशा में वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी में सुधारों की घोषणा महत्वपूर्ण और दूरगामी असर करने वाली रही। जुलाई 2017 में तमाम जटिल करों और अप्रत्यक्ष करों को एकीकृत करते हुए एक राष्ट्र-एक कर जैसी संकल्पना के साथ जीएसटी अस्तित्व में आया। इसे 1991 के बाद का सबसे बड़ा आर्थिक सुधार करार दिया गया। इसने कर राजस्व बढ़ाने के साथ अनुपालन को बेहतर बनाया।

इसके चलते निवेश बढ़ा और एकीकृत बाजार के रूप में भारत का कायाकल्प हुआ। जीडीपी वृद्धि पर भी इसका सकारात्मक असर पड़ा। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारों के बावजूद इसने संघीय सहमति का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। हालांकि इसमें कायम कुछ विसंगतियां उद्यमों, राजस्व और विभिन्न हितधारकों पर प्रतिकूल प्रभाव भी डाल रही थीं। इसमें टैक्स ढांचे की जटिलता, नियमों और दरों में अक्सर होने वाले परिवर्तन, इनपुट टैक्स क्रेडिट के साथ जुड़े मसले और कुछ मामलों में अनुपालन बोझ जैसे मुद्दे शामिल हैं। अच्छी बात है कि इन विसंगतियों का संज्ञान लेकर सुधार की दिशा में कदम बढ़ाने की पहल हुई है। जीएसटी सुधारों का प्रस्तावित उद्देश्य मौजूदा चुनौतियों का समाधान करना और इसे एक विश्वस्तरीय अप्रत्यक्ष कर संरचना में बदलना है।

प्रधान संपादक - दयाराम दिव्य

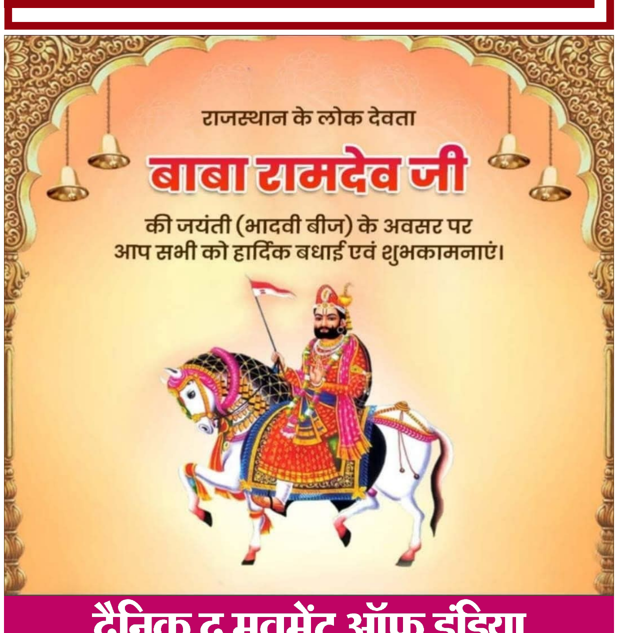

मांडलगढ़ में साइकिल तिरंगा यात्रा दिया देशभक्ति व फिट इंडिया का संदेश

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

आकोला (रमेश चंद्र डाड)

मांडलगढ़ कस्बे आज रविवार सुबह आजादी अमृत महोत्सव के अवसर पर मांडलगढ़ पुलिस थाना परिसर में भव्य साइकिल तिरंगा यात्रा निकाली गई इस यात्रा उद्देश्य राष्ट्रीय भक्ति की भावना फिट इंडिया का संदेश पर्यावरण संरक्षण को जन-जन तक पहुंचाना रहा यात्रा का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक बाबूलाल विशनोई थानाधिकारी शंकर सिंह ने किया उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा न केवल देश भक्ति का प्रतीक है बल्कि वह युवाओं व बच्चों में स्वास्थ्य और जागरूकता की प्रेरणा भी देती है साइकिल यात्रा थाना परिसर से प्रारंभ हुई जो मुख्य बस स्टैंड होते हुई पुनः थाना परिसर में संपन्न हुई इस दौरान पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष के केपी सिंह , रामसिंह, सुरेंद्र सिंह ,महेंद्र चौधरी प्रवीण , अंश दक्ष मौजूद थे

खजीना ने लहराया फिर परचम

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

आकोला (रमेश चंद्र डांड)संस्कृत शिक्षा विभाग संभाग स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता दिनांक 21-8-25 से 25-8-25 तक पुष्कर अजमेर में आयोजित हो रहे खेल प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय खजीना कबड्डी में विजेता रही । फाइनल में खजीना(भीलवाड़ा) की टीम ने प्रतिद्वंद्वी टीम सैंसड़ा (नागौर) को 53 / 20 से हराया।दल प्रभारी अमर सिंह चौधरी व लोकेश कुमार जाट के नेतृत्व में 20 खिलाड़ियों के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया । जीतने के बाद खजीना गांव में खुशी का माहौल । विद्यालय के प्रधानाचार्य भवानी शंकर शर्मा व समस्त स्टाफ ने समस्त टीम व टीम प्रभारी को बधाई दी ।

अतिवृष्टि से ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे मकान ढहे प्रशासन से मदद की गुहार

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

सुरज वर्मा

भीलवाड़ा जिले के फुलिया कलां उपखंड क्षेत्र के बासेड़ा पंचायत में लगातार तेज़ बारिश से कच्चे मकान की दीवार गिरी मामला बासेड़ा पंचायत के वार्ड नंबर 7 मे रैगर मोहल्ले में सुखदेव रैगर पिता चंद्रा रैगर के कच्चा मकान लगातार भारी बारिश के कारण कच्चा मकान कल रात्रि को गिर गया जानकारी के अनुसार रात्री 2 बजे क़रीब की घटना बताई जा रही हैं दीवार गिरने की हडबडाउ के कारण दीवार के पास सो रहे, वृद्ध की नींद जग जाने से जन हानि होने से बच गया नहीं तो बहुत बड़ी अप्रिय घटना घटित हो सकती थी उपखंड क्षेत्र में लगातार बारिश होने से गरीब व्यक्तियों के कच्चे मकान का गिरने का अंदेशा बना हुआ है प्रशासन को पटवारी को क्षेत्र में भेज कर घटित घटनाओं का जायजा लेकर आर्थिक मदद करने की क्षेत्र वासियों ने मांग की है

भीलवाड़ा जूडो एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला स्तरीय सब जूनियर प्रतियोगिता संपन्न

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

सुरज वर्मा

शाहपुरा/भीलवाड़ा में जूडो एसोसिएशन की ओर से जिला स्तरीय सब जूनियर जूडो प्रतियोगिता राजकीय कन्या महाविद्यालय शाहपुरा के इनडोर स्टेडियम में आयोजित की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व चेयरमैन कन्हैयालाल धाकड़ रहे, अध्यक्षता जूडो जिला अध्यक्ष राजेंद्र बोहरा ने की तथा अतिविशिष्ट अतिथि चिनार बैरवा रहे।जूडो सचिव राधेश्याम दरोगा ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को गोल्ड मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एडवोकेट कैलाश धाकड़, महावीर सैनी, लादूराम खटीक, पवन सुखवाल, जगू राणा, मोनू छिपा, चीनू वैष्णव, अशोक बोहरा, जयकिशन घुसर, कोच हबीब खान, महेश शर्मा, नितिन कुमावत, विपिन गौड़, जमना तेली, शिवलाल जाट, निशांत चौहान, रघुवीर दमानी, आसाराम धाकड़, नितिन कोठारी, शंकर रैदास, सिद्धांत घुसर सहित अनेक गणमान्यजन व खिलाड़ी मौजूद रहे।पूर्व जूडो खिलाड़ी मुकेश धाकड़, चांद मोहम्मद, चैनसुख धाकड़ समेत अनेक वरिष्ठ खिलाड़ी भी उपस्थित रहे।जिला अध्यक्ष राजेंद्र बोहरा ने कहा कि जूडो खेल को नई ऊँचाइयों तक ले जाने हेतु लगातार प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, ताकि जिले के खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

बैरवा समाज के युवाओं द्वारा भादवी बीज पर भव्य भजन संध्या एवं जागरण का आयोजन

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

बाबा रामदेव जी की भादवी बीज के पावन अवसर पर बैरवा समाज के युवाओं द्वारा शिवाजी नगर स्थित रामदेव जी के मंदिर प्रांगण में एक भव्य भजन संध्या एवं जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण रामदेव जी के भजनों से भक्तिमय हो गया।

रतन लाल जागदरी एंड पार्टी द्वारा एक से बढ़कर एक शानदार भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिससे उपस्थित श्रोता भावविभोर हो उठे।

सामाजिक कार्यकर्ता पवन बैरवा ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, सहयोग और भक्ति भावना को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा रामदेव जी लोकदेवता के रूप में जनमानस के आराध्य हैं, और उनकी भक्ति हमें सेवा, समर्पण एवं सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा देती है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में बैरवा समाज के युवाओं की भूमिका सराहनीय रही।

इस आयोजन में प्रमुख रूप से शंकर लाल बैरवा, रतन लाल बैरवा, प्रभु लाल बैरवा, नारायण लाल बैरवा, अर्जुन लाल बैरवा,प्रभु लाल बैरवा, शांति लाल बैरवा, भेरू लाल बैरवा, किशन बैरवा,राजू बैरवा,मनोज बैरवा, भीमराज बैरवा, दीपक बैरवा, नंदिश बैरवा, बबलू बैरवा, पीरु बैरवा, मनीष बैरवा, सिद्धार्थ बैरवा,दिव्यांशु बैरवा,नरेश बैरवा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे और अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने की बात कही।

आसींद क्षेत्र के बराना खाकुल देव मंदिर प्रकरण में आदिवासी नेताओं ने जताई चिंता

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

रामसुख मेघवंशी मेघवंशी (आमेसर)

खाकुल देव मंदिर के दलित पुजारी विष्णु मेघवंशी उनके परिवार पर हमले की घटना को आदिवासी नेताओं ने चिंताजनक बताया , डूंगरपुर बांसवाड़ा के लोकसभा सांसद राजकुमार रोत ने भीलवाड़ा में महापड़ाव की चेतावनी दी हैं , भारत आदिवासी पार्टी के सांसद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि आसींद क्षेत्र में दलित समाज के लोगों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ाना अत्यंत चिंताजनक है ,14 अगस्त की रात्रि को बराना गांव में खाकुल देव मंदिर के पुजारी से मारपीट के बाद आसींद थाने हमलावरो के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था ,

पुजारी पर हमले की घटना पर सांसद रोत के अलावा भारत आदिवासी पार्टी के विधायक थावरचंद एवं आदिवासी नेता कांतिभाई ने भी आक्रोश व्यक्त किया, कुछ दिन पूर्व दोनों ही पक्षों द्वारा एसडीएम को ज्ञापन देखकर निष्पक्ष जांच की मांग कर चुके हैं। वहीं पिछले दिनों बराना गांव में सर्व हिंदू समाज द्वारा मीटिंग आयोजित कर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की वही दलित पुजारी का आरोप है कि मामला दर्ज बनने के बाद अभी तक गिरफ्तारी नहीं होने के चलते समस्त दलित समाज में रोज व्याप्त हैं , इसके अलावा पूर्व मंत्री रामलाल जाट ने भी बराना गांव में दलित पुजारी पर हमले की घटना को चिंताजनक बताया था वही आसींद के पूर्व विधायक विधायक हगामी लाल मेवाड़ा ने भी किसी दलित पुजारी के साथ मारपीट की घटना की आलोचना कर चुके हैं ।

“सुरक्षित सड़क मार्ग (सुसमा) अभियान के तहत” सोमवार को जागरूकता कार्यक्रम का होगा आयोजन

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा, 24 अगस्त। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आमजन में यातायात अनुशासन की भावना विकसित करने के उद्देश्य से ‘‘सुरक्षित सड़क मार्ग (सुसमा) अभियान’’ के तहत सोमवार, 25 अगस्त को सेठ मुरलीधर मानसिंहका कन्या विद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 8ः15 बजे चयनित सड़क के निरीक्षण से होगा। इसके पश्चात विद्यालय परिसर में प्रातः 8.45 बजे से मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में राष्ट्रगान एवं मंच परिचय के बाद छात्राएँ सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण से संबंधित अनुभव साझा करेंगी। इस अवसर पर प्रतिभागियों को सम्मान पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। मुख्य वक्ता श्री जसवंत खत्री, मुख्य अभियंता (गुणनियंत्रण) सार्वजनिक निर्माण विभाग अपने उद्बोधन में सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की महत्ता पर प्रकाश डालेंगे तथा सुरक्षित एवं व्यवस्थित यातायात को आमजन का दायित्व बताएंगे।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, प्रशासनिक अधिकारी, सड़क सुरक्षा से जुड़े विभागीय प्रतिनिधि, अध्यापक तथा बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहेंगी। राज्य स्तर से सुसमा अभियान के लिए 19 शहरों के शहरी सड़क मार्ग का चयन किया गया था। अभियान के तहत भीलवाड़ा जिले की 7.30 किमी रूट (शांति पथ) की पहचान की गई है, जिसमें सार्वजनिक निर्माण विभाग की 3 किलोमीटर सड़क मार्ग तथा नगर विकास न्यास का 4.30 किलोमीटर सड़क मार्ग सम्मिलित है। चिन्हित सड़क मार्ग को आदर्श सुरक्षित सड़क मार्ग के रुप में विकसित कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, सुरक्षित और सुविधा जनक यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना एवं आम जनता को सड़क सुरक्षा को लेकर जागरुक करना है।

गौरतलब है कि सुरक्षित सड़क मार्ग अभियान कार्यक्रम सार्वजनिक निर्माण विभाग, उच्च शिक्षा विभाग एवं सड़क सुरक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है, जो ,9 अगस्त (रक्षाबंधन) से शुरू हुआ व 15 सितम्बर 2025 (अभियन्ता दिवस) तक जारी रहेगा

दो दिन से लगातार भारी बारिश होने से गांगलास में कच्चा मकान ढहा, प्रशासन से लगाई आर्थिक सहयता कि गुहार

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

सुरज वर्मा

भीलवाडा ज़िले के रायला क्षेत्र के ग्राम पंचायत गांगलास में दो दिन से लगातार भारी बारिश होने से कच्चा मकान ढह गए गांगलास निवासी सोहन लाल पिता मांगी लाल जंगलिया का मकान क्षतिग्रस्त हो गया। यह घटना रविवार शाम की है बारिश के कारण इन परिवार का घरेलू सामान भी नष्ट हो गया है। प्रभावित परिवारों को रहने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से राहत और मदद की मांग की है।मकान ढहने से प्रभावित परिवार वर्तमान में आश्रय की तलाश में हैं। स्थानीय प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि वह जल्द से जल्द प्रभावित परिवार की मदद के लिए आगे आए।

प्रदेश के विद्यार्थी अब होंगे अपने मताधिकार और नैतिक मतदान के प्रति जागरूक

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

जयपुर/भीलवाड़ा। निर्वाचन साक्षरता एवं मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में निर्वाचन विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग के बीच सोमवार को शासन सचिवालय, जयपुर में ऐतिहासिक एमओयू हुआ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन एवं शासन सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग श्री कृष्ण कुणाल ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस संयुक्त एमओयू के तहत राज्य के समस्त माध्यमिक / उच्च माध्यमिक स्तर के राजकीय एवं निजी विद्यालयों में भारत निर्वाचन आयोग की संकल्पना को साकार करते हुए स्कूल निर्वाचन साक्षरता क्लब (श्रस्ष्ट) का सुदृढ़ीकरण एवं ईएलसी गतिविधियों का सुचारू संचालन संपन्न हो सकेगा।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री महाजन ने कहा कि राज्य में स्कूल शिक्षा विभाग के पर्यवेक्षण में राजकीय एवं निजी विद्यालयों में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों को शामिल करते हुए निर्वाचन साक्षरता क्लब गठित कर संचालित किया जा रहे हैं। इन क्लबों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग के लिए शाला दर्पण पोर्टल एवं प्राइवेट स्कूल पोर्टल पर ऑनलाइन ईएलसी एंट्री मॉड्युल उपलब्ध कराया गया है। देश में राजस्थान स्कूल ईएलसी के सुदृढ़ीकरण हेतु डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने वाला संभवतः पहला राज्य है। अब कक्षा 9 से 12वीं में अध्ययनरत 17 वर्ष के समस्त विद्यार्थियों का अग्रिम रूप से मतदाता पंजीकरण आसान होगा और 18 वर्ष की आयु को पूर्ण करते ही विद्यार्थियों को उनका मतदाता पहचान पत्र प्राप्त हो जाएगा, जिससे वो आगामी चुनावों में सक्रिय मतदाता के रूप में अपना कर्तव्य निभा सकेंगे।

श्री महाजन ने कहा कि इस रूश्व का उद्देश्य विद्यालय स्तर पर मतदाता शिक्षा, जागरूकता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना तथा भावी मतदाताओं में निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति समझ विकसित करना है। साथ ही भविष्य में भारत निर्वाचन आयोग एवं शिक्षा मंत्रालय - भारत सरकार के निर्देशन में एनसीईआरटी द्वारा विकसित मतदाता शिक्षा से संबंधित पाठ्यक्रम को राज्य की स्कूल शिक्षा में शामिल किया जाना प्रस्तावित है।

शासन सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग श्री कृष्ण कुणाल ने कहा कि इस एमओयू से हम विद्यार्थियों के समग्र विकास की ओर अग्रसर होंगे और उनमें मतदाता शिक्षा एवं लोकतांत्रिक मूल्यों का समावेश हो सकेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान सत्र 2025-26 के शिविरा कैलेंडर में ईएलसी गतिविधियों को पहले ही शामिल कर लिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत मतदाता जागरूकता से संबंधित अध्याय भी जोड़े जा रहे। राज्य के विद्यालयों में संचालित ईएलसी क्लब एवं आयोजित गतिविधियों की शाला दर्पण पोर्टल के माध्यम से दोनों विभागों द्वारा विभिन्न स्तर पर सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होने कहा कि इस एमओयू से हम मतदाता जागरूकता एवं शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक प्रतिबद्धता से कार्य कर सकेंगे।

श्री कुणाल ने कहा कि आज निष्पादित किए गए रूश्व के माध्यम से हम निर्वाचन विभाग के साथ संकल्प लेते हैं कि विद्यालयों में निर्वाचन साक्षरता के लिए अनुकूल वातावरण विकसित कर हमारे विद्यार्थियों को उनके वोट के महत्व और मूल्य के बारे में प्रभावी रूप से शिक्षित करेंगे और सशक्त लोकतंत्र की ओर अग्रसर होंगे।

यूथ चला बूथ का विमोचन

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने निर्वाचन विभाग द्वारा शुरू की गयी त्रैमासिक विभागीय पत्रिका (यूथ चला बूथ) का विमोचन भी किया गया। उन्होंने कहा कि यूथ चला बूथ पत्रिका खास तौर पर युवा मतदाताओं पर केंद्रित है जिसमें प्रमुख रूप से ईएलसी यानि निर्वाचन साक्षरता क्लब में होने वाली जागरूकता गतिविधियों को शामिल किया जाएगा।

कार्यक्रम में राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा अभियान (एसएमएसए), राजस्थान शिक्षा परिषद एवं आयुक्त, स्कूल शिक्षा श्रीमती अनुपमा जोरवाल एवं संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ रौनक बैरागी सहित दोनों विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भादवी बीज पर बाबा रामदेव की शोभायात्रा रावला चौक सहित विभिन्न मार्गों पर लोगों ने किया स्वागत

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

सुरज वर्मा

भीलवाडा ज़िले में रायला क्षेत्र के गांगलास में सोमवार को बाबा रामदेव की भादवी बीज पर रेगर समाज ने शुभ मुहूर्त में शोभायात्रा निकाली।शोभायात्रा रामदेव मंदिर से शुरू होते हुए रावला चौक, ब्राह्मणों का मोहल्ला, गुर्जर मोहल्ला बस स्टैंड,बलाई मौहल्ला होते हुए विभिन्न मार्गो से होते हुए पुनः रामदेव मंदिर पहुंची।शोभायात्रा में बाबा रामदेव की ज्योत एवं निशान आकर्षण का केंद्र रहा ।वहीं शोभायात्रा में समाज के लोगों ने डीजे धुन पर जमकर नृत्य किया।इस दौरान लोगों ने बाबा रामदेव की ज्योत एवं निशान लेकर रामसा पीर, बाबा रामदेव की जय, रूणेचा के बाबा की जय के जयकारे लगाए।

इस दौरान शोभायात्रा में खेमा रेगर, ऊंकार रेगर, मूला राम,दुर्गा रेगर, रामदेव रेगर, शिवलाल, चुन्नीलाल, रतनलाल, कालू लाल, बेणालाल, ओमप्रकाश,रामलाल, नारायणलाल, महावीर , नानूराम, रतनलाल, पप्पू लाल, गोमालाल,कैलाश, रामदेव, सुरेश, रतनलाल, श्याम लाल, राजेंद्र कुमार, राजू लाल, कन्हैयालाल, ओमप्रकाश, कल्याण, मथुरा लाल सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

हरतालिका तीज

हरतालिका तीज व्रत भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को किया जाता है। इस दिन वैवाहिक जीवन की लंबी आयु की कामना के लिए यह व्रत किया जाता है। यह व्रत विशेष रूप से विवाहित स्त्रियों के द्वारा किया जाता है। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर पूजा की जाती है। स्वच्छ वस्त्र धारण किए जाते हैं तथा कदली स्तम्भों से घर को सजाया जाता है। इसके बाद उत्तम भजनों से रतजगा किया जाता है। इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को मां पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। यह व्रत करने के लिए सुहागन स्त्रियों को व्रत के दिन प्रातः जल्दी उठ कर स्नानादि कर शुद्ध होकर व्रत का संकल्प लेना चाहिए। इस दिन भगवान शंकर व माता पार्वती जी की पूजा की जाती है। इस व्रत को बगैर जल लिए किया जाता है। व्रत के दिन माता का पूजन धूप, दीप व फूलों से करना चाहिए एवं अंत में व्रत की कथा सुननी चाहिए और घर के बड़ों से आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए।

व्रत कथा

एक बार भगवान शिव ने पार्वतीजी को उनके पूर्व जन्म का स्मरण कराने के उद्देश्य से इस व्रत के माहात्म्य की कथा कही थी।

श्री भोलेशंकर बोले- हे गौरी! पर्वतराज हिमालय पर स्थित गंगा के तट पर तुमने अपनी बाल्यावस्था में बारह वर्षों तक अधोमुखी होकर घोर तप किया था। इतनी अवधि तुमने अन्न न खाकर पेड़ों के सूखे पत्ते चबा कर व्यतीत किए। माघ की विक्राल शीतलता में तुमने निरंतर जल में प्रवेश करके तप किया। वैशाख की जला देने वाली गर्मी में तुमने पंचाग्नि से शरीर को तपाया। श्रावण की मूसलधार वर्षा में खुले आसमान के नीचे बिना अन्न-जल ग्रहण किए समय व्यतीत किया।

तुम्हारे पिता तुम्हारी कष्ट साध्य तपस्या को देखकर बड़े दुखी होते थे। उन्हें बड़ा क्लेश होता था। तब एक दिन तुम्हारी तपस्या तथा

पिता के क्लेश को देखकर नारदजी तुम्हारे घर पधारे। तुम्हारे पिता ने हृदय से अतिथि सत्कार करके उनके आने का कारण पूछा।

नारदजी ने कहा- गिरिराज! मैं भगवान विष्णु के भेजने पर यहां उपस्थित हुआ हूं। आपकी कन्या ने बड़ा कठोर तप किया है। इससे प्रसन्न होकर वे आपकी सुपुत्री से विवाह करना चाहते हैं। इस संदर्भ में आपकी राय जानना चाहता हूं।

नारदजी की बात सुनकर गिरिराज गद्?गद हो उठे। उनके तो जैसे सारे क्लेश ही दूर हो गए। प्रसन्नचित होकर वे बोले- श्रीमान्?! यदि स्वयं विष्णु मेरी कन्या का वरण करना चाहते हैं तो भला मुझे क्या आपत्ति हो सकती है। वे तो साक्षात ब्रह्म हैं। हे महर्षि! यह तो हर पिता की इच्छा होती है कि उसकी पुत्री सुख-सम्पदा से युक्त पति के घर की लक्ष्मी बने। पिता की सार्थकता इसी में है कि पति के घर जाकर उसकी पुत्री पिता के घर से अधिक सुखी रहे।

तुम्हारे पिता की स्वीकृति पाकर नारदजी विष्णु के पास गए और उनसे तुम्हारे ब्याह के निश्चित होने का समाचार सुनाया। मगर इस विवाह संबंध की बात जब तुम्हारे कान में पड़ी तो तुम्हारे दुख का ठिकाना न रहा।

तुम्हारी एक सखी ने तुम्हारी इस मानसिक दशा को समझ लिया और उसने तुमसे उस विक्षिप्तता का कारण जानना चाहा। तब तुमने बताया - मैंने सच्चे हृदय से भगवान शिवशंकर का वरण किया है, किंतु मेरे पिता ने मेरा विवाह विष्णुजी से निश्चित कर दिया। मैं विचित्र धर्म-संकट में हूं। अब क्या करूं? प्राण छोड़ देने के अतिरिक्त अब कोई भी उपाय शेष नहीं बचा है। तुम्हारी सखी बड़ी ही समझदार और सूझबूझ वाली थी।

उसने कहा- सखी! प्राण त्यागने का इसमें कारण ही क्या है? संकट के मौके पर धैर्य से काम लेना चाहिए। नारी के जीवन की सार्थकता इसी में है कि पति-रूप में हृदय से जिसे एक बार स्वीकार कर लिया, जीवनपर्यंत उसी से निर्वाह करें। सच्ची आस्था और एकनिष्ठा के समक्ष तो ईश्वर को भी समर्पण करना पड़ता है। मैं तुम्हें घनघोर जंगल में ले चलती हूं, जो साधना स्थली भी हो और जहां तुम्हारे पिता तुम्हें खोज भी न पाएं। वहां तुम साधना में लीन हो जाना। मुझे विश्वास है कि ईश्वर अवश्य ही तुम्हारी सहायता करेंगे।

तुमने ऐसा ही किया। तुम्हारे पिता तुम्हें घर पर न पाकर बड़े दुखी तथा चिंतित हुए। वे सोचने लगे कि तुम जाने कहां चली गई। मैं विष्णुजी से उसका विवाह करने का प्रण कर चुका हूं। यदि भगवान विष्णु बारात लेकर आ गए और कन्या घर पर न हुई तो बड़ा अपमान होगा। मैं तो कहीं मुंह दिखाने के योग्य भी नहीं रहूंगा। यही सब सोचकर गिरिराज ने जोर-शोर से तुम्हारी खोज शुरू करवा दी।

इधर तुम्हारी खोज होती रही और उधर तुम अपनी सखी के साथ नदी के तट पर एक गुफा में मेरी आराधना में लीन थीं। भाद्रपद शुक्ल तृतीया को हस्त नक्षत्र था। उस दिन तुमने रेत के शिवलिंग का निर्माण करके व्रत किया। रात भर मेरी स्तुति के गीत गाकर जागीं। तुम्हारी इस कष्ट साध्य तपस्या के प्रभाव से मेरा आसन डोलने लगा। मेरी समाधि टूट गई। मैं तुरंत तुम्हारे समक्ष जा पहुंचा और तुम्हारी तपस्या से प्रसन्न होकर तुमसे वर मांगने के लिए कहा।

तब अपनी तपस्या के फलस्वरूप मुझे अपने समक्ष पाकर तुमने कहा - मैं हृदय से आपको पति के रूप में वरण कर चुकी हूं। यदि आप सचमुच मेरी तपस्या से प्रसन्न होकर आप यहां पधारे हैं तो मुझे अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार कर लीजिए।

तब मैं तथास्तु कह कर कैलाश पर्वत पर लौट आया। प्रातः होते ही तुमने पूजा की समस्त सामग्री को नदी में प्रवाहित करके अपनी सहेली सहित व्रत का पारणा किया। उसी समय अपने मित्र-बंधु व दरबारियों सहित गिरिराज तुम्हें खोजते-खोजते वहां आ पहुंचे और तुम्हारी इस कष्ट साध्य तपस्या का कारण तथा उद्देश्य पूछा। उस समय तुम्हारी दशा को देखकर गिरिराज अत्यधिक दुखी हुए और पीड़ा के कारण उनकी आंखों में आंसू उमड़ आए थे।

तुमने उनके आंसू पोंछते हुए विनम्र स्वर में कहा- पिताजी! मैंने अपने जीवन का अधिकांश समय कठोर तपस्या में बिताया है। मेरी इस तपस्या का उद्देश्य केवल यही था कि मैं महादेव को पति के रूप में पाना चाहती थी। आज मैं अपनी तपस्या की कसौटी पर खरी उतर चुकी हूं। आप क्योंकि विष्णुजी से मेरा विवाह करने का निर्णय ले चुके थे, इसलिए मैं अपने आराध्य की खोज में घर छोड़कर चली आई। अब मैं आपके साथ इसी शर्त पर घर जाऊंगी कि आप मेरा विवाह विष्णुजी से न करके महादेवजी से करेंगे।

गिरिराज मान गए और तुम्हें घर ले गए। कुछ समय के पश्चात शास्त्रोक्त विधि-विधानपूर्वक उन्होंने हम दोनों को विवाह सूत्र में बांध दिया।

हे पार्वती! भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को तुमने मेरी आराधना करके जो व्रत किया था, उसी के फलस्वरूप मेरा तुमसे विवाह हो सका। इसका महत्व यह है कि मैं इस व्रत को करने वाली कुंआरियों को मनोवांछित फल देता हूं। इसलिए सौभाग्य की इच्छा करने वाली प्रत्येक युवती को यह व्रत पूरी एकनिष्ठा तथा आस्था से करना चाहिए।

हरतालिका तीज
महिलाओं का त्योहार

भारतीय त्योहारों में तीज का काफी महत्व है। महिलाओं के लिए तीज के परंपरागत, विभिन्न रूप उत्साह के पर्याय बन जाते हैं। फिर इनके सांस्कृतिक तथा पारंपरिक महत्व अपनी जगह हैं।

इसलिए तीज के लिए महिलाएं काफी पहले से तैयारियां शुरू कर देती हैं। मेहंदी, वस्त्र तथा आभूषण, सभी कुछ अपनी सुविधा के अनुसार जुटाए जाते हैं और पूरे उत्साह के साथ मनाई जाती है तीज। तीज का ऐसा ही कुछ रूप हरतालिका तीज पर देखने को मिलता है।

शिव-पार्वती के सफल तथा परिपक्व दांपत्य जीवन जैसे जीवन की कामना के साथ हरतालिका का व्रत तथा पूजन किया जाता है। भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को शिवगौरी का पूजन कर हरतालिका तीज मनाई जाती है।

इस व्रत को लेकर युवतियों से लेकर महिलाओं तक में उत्साह रहता है। असल में परंपरागत भारतीय त्योहारों तथा उत्सवों का असल आकर्षण ही महिलाओं का यह उत्साह है, जो पूरे वातावरण को एक नए उजास से भर देता है।

यह व्रत कड़क उपवास की श्रेणी में आता है क्योंकि इस दिन स्त्रियां निर्जल भी रहती हैं। शाम को सुंदर वस्त्र तथा आभूषणों से सजकर सभी एक-साथ मिलकर मिट्टी से बनी शिव-पार्वती की प्रतीक प्रतिमाओं का पूजन करती हैं। हंसती-गाती हैं और रात्रि जागरण भी करती हैं। समय के अनुसार हालांकि इस त्योहार में भी कुछ परिवर्तन हुए हैं। अब पूजन के लिए कई प्रकार की पत्तियां चुनने के लिए जरूरी नहीं कि जंगलों में जाया जाए।

आजकल बाजार में, खासतौर पर शहरों में बड़ी संख्या में ग्रामीण ढेर की ढेर पत्तियां तथा फूल लाकर बेचते हैं। यही नहीं दुकानों पर आपको एक ही पैकेट में सारी पूजन सामग्री भी मिल जाएगी। कामकाजी महिलाओं से लेकर गृहिणियों के लिए भी यह एक सुविधाजनक बात है। मुख्य बात यह है कि इस तरह के त्योहार महिलाओं को एक-साथ मिल बैठने तथा अपना उत्साह जाहिर करने का भी मौका दे जाते हैं। जाहिर है कि परंपरागत रूप से इस व्रत को करने के कारण तथा तरीके अब भी वैसे ही हैं, हां कुछ आधुनिकता के साथ।

आखिर अब क्यों नहीं देवी देवता आकर दिखाते हैं ऐसे चमत्कार

कहां गए वह देवी-देवता

पांच हजार साल पहले का कोई आदमी आज धरती पर आ जाए तो उसे आश्चर्य होगा कि यक्ष, देव, अशरीरी आत्माएं और किन्नर आदि कहां गए, यह भी कि इच्छा करते ही मनपसंद भोजन और वसन भूषण क्यों नहीं मिल रहे।

वे देवी देवती कहां गए जो बुलाने पर चले आते और इच्छित सुविधाओं को तत्काल रच देते थे। यह उल्लेख आज की दुनिया को सौ डेढ़ सौ साल पहले की दुनिया से तुलना करने वालों को भी हैरान कर सकते है।

हिमालय के इन भागों में दिखते हैं चमत्कार

उनके हिसाब से आज की दुनिया पिछली सदी से बहुत आगे है पर ईशा फाउंडेशन कोयंबटूर (तमिलनाडु) की प्रयोगशाला के नतीजों को देखें तो मानना होगा कि पांच हजार साल पहले की दुनिया के बारे में पुराणों और योगशास्त्रों में जो लिखा है, वह अधिकांश सही साबित हो रहा है।

फाउंडेशन के संस्थापक और योग की सचाइयों को दुनिया में पहुंचाने के मिशन में लगे सद्गुरु जग्गी वासुदेव का कहना है कि ऋग्वेद काल में तारों की सैर करने और वहां से लोगों के पृथ्वी पर आने के वृत्तांत सुनते आए हैं।

आकाश में रह कर धरती के लोगों के लिए सुख सुविधा रचने वालों के बारे में दुनियाभर की पुरानी किताबों के वर्णन इस बात की गवाही देते हैं। हिमालय के ध्रुव प्रदेश में तमाम ऐसी चीजें होते हुए आज भी देखी जा सकती हैं जो असंभव लगती है।

शास्त्रों और पुराणों में बताए

चमत्कार की सच्चाई

वास्तव में ऐसा कुछ नहीं हुआ होता, तो हर जगह लगभग एक जैसी कहानियां न बनी होती। बाइबल में खासकर यूनानी संस्कृति में भी ऐसे ही उल्लेख आए हैं। यहां तक कि नाम भी एक जैसे लगते है।

सुमेरियन संस्कृति, मेसोपोटामिया की संस्कृति, अरब की कुछ खास संस्कृतियों, अफ्रीका के उत्तरी भागों में और दक्षिण अमेरिका में भी यही बातें सुनने व पढ़ने को मिलती हैं।

हजारों सालों तक इन महाद्वीपों के बीच कोई संपर्क ही नहीं रहा है। इसके बावजूद इन जगहों पर एक जैसे शब्दों और मुहावरों का उपयोग मिलता है।

हिमालय को योगियों और सिद्धों का तीर्थ बताते हुए तिब्बती लामा जेन सामी का कहना है कि साधना की उच्च स्थिति में पहुंचे लोगों को आज भी इस तरह के अलौकिक अनुभव होते हैं।

सार यह है कि दुनिया हमेशा उसके रचयिता की तरह पूर्ण विकसित रही है। कभी कोई पक्ष सामने आता है, कभी कोई। लेकिन योग के सहारे उसे समग्र रूप में देखा और समझा जा सकता है।

वास्तु शास्त्र

भरपूर प्यार के साथ धन भी मिलेगा, अगर घर में होगी यह बिल्ली

बिल्ली को आमतौर पर लोग अशुभ जीव मानते हैं। कहते हैं घर में अक्सर बिल्ली का आने का मतलब है कोई अपशकुन होने वाला है। बिल्ली का घर में मल त्याग करना अनहोनी का संकेत माना जाता है।

लेकिन एक बिल्ली ऐसी है जो घर में रहे तो अपशकुन नहीं बल्कि शगुन ही शगुन होता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है साथ ही आपके जीवन में प्यार भरपूर लाती है।

क्या है इस बिल्ली का नाम

आपके जीवन में खुशियां और धन लाने वाली यह बिल्ली का नाम मानकी निको है। चीन और जापान में इस बिल्ली को शुभ का प्रतीक माना जाता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है इसलिए इसे मनी कैट भी कहा जाता है।

धन चाहिए तो आपको ऐसी बिल्ली रखनी चाहिए

मनी कैट बाजार में कई रंग के मिलते हैं। रंग के अनुसार इनका परिणाम भी अलग-अलग प्राप्त होता है। जैसे अगर आप धन की चाहत रखते हैं तो घर या व्यापारिक प्रतिष्ठान पीले रंग की बिल्ली रखें। धन प्राप्ति के लिए आप चाहें तो नीले रंग की बिल्ली भी रख सकते हैं।

प्यार में भाग्य का साथ पाने के लिए

प्यार में भाग्य आपका साथ दे इसके लिए आप लाल रंग की बिल्ली घर में रख सकते हैं। हरे रंग की बिल्ली आपको हर चीज में भाग्य का साथ दिलाती है।

लेकिन बिल्ली से लाभ पाने के लिए कुछ नियम भी हैं। हरे रंग की बिल्ली उत्तर पूर्व में रखें। लाल रंग की बिल्ली को दक्षिण पश्चिम दिशा में। पीले और नीले रंग की बिल्ली दक्षिण पूर्व या उत्तर पूर्व में रखें।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक दयाराम दिव्य द्वारा मुद्रक वेदांत प्रभाकर, मेधा कम्प्यूटर्स एंड ऑफसेट प्रिंटर्स, ऑफिस नं. 128, वार्ड नं. 25, नंदभवन कांवाखेड़ा पार्क के पास, भीलवाड़ा 311001 (राज.) से मुद्रित एवं एस-20, प्रतापनगर, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक दयाराम दिव्य 96949 57624, 87695 58132 * PRB एक्ट के तहत ख़बरों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भीलवाड़ा होगा